मोदी सरकार के तीन साल: सुषमा स्वराज ने बताई अपने मंत्रालय की उपलब्धियां, कहा- भारत ने पैसों के लिए नहीं किया पेरिस समझौता

विदेश मंत्री सुषमा स्वराज नई दिल्ली में प्रेस वार्ता के दौरान। उनके साथ विदेश राज्यमंत्री वीके सिंह (Source: AP)

विदेश मंत्री सुषमा स्वराज ने सोमवार को पीएम नरेंद्र मोदी सरकार के कार्यकाल के तीन साल पूरे होने के उपलक्ष्य में अपने मंत्रालय द्वारा किए गए कार्यों का ब्यौरा दिया है। नई दिल्ली में हुई प्रेस वार्ता के दौरान उन्होंने अपने मंत्रालय की उपलब्धियां बताईं। इस दौरान उन्होंने कई बातें उठाईं। उन्होंने ने कई मुद्दों पर अपना पक्ष रखा जिनमें से मुख्य कुछ इस प्रकार थे।

-भारत के दूसरे देशों के साथ संबंधों को लेकर उन्होंने कहा- "मैं पीएम नरेंद्र मोदी का धन्यवाद करना चाहूंगी। उनके प्रयासों के कारण ही आज भारत के तमाम देशों के साथ करीबी संबंध बने हैं। आज से कुछ साल पहले ऐसा नहीं था।"

-विदेश मंत्री ने भारत के एफडीआई निवेश का ब्यौरा भी दिया। उन्होंने बताया कि बीते तीन साल में एनडीए के सत्ता में आने के बाद एफडीआई 37.5 फीसद पर है।

-भारत के अमेरिका के साथ संबंधों को लेकर स्वराज ने कहा- "भारत के अमेरिका के साथ संबंध आज भी उतनी ही रफ्तार से बढ़ रहे हैं जितना बराक ओबामा के कार्यकाल के दौरान बढ़ रहे थे। पीएम मोदी तीन बार राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ बातचीत कर चुके हैं और हर मौके पर सकारात्मक वार्ता हुई है। " साथ ही स्वराज ने अमेरिका के नए HI1B वीजा नियमों को लेकर कहा कि यह मामला भारत के लिए महत्पूर्ण है। पेरिस समझौते को लेकर डोनाल्ड ट्रंप के बयान का विरोध करते हुए स्वराज ने कहा कि भारत ने पैसों के लिए यह समझौता नहीं किया है।

-सुषमा स्वराज ने भारतीयों के विदेशी यात्राओं को लेकर भी अपनी बात रखी। उन्होंने बताया कि उन्होंने पासपोर्ट बनवाने के नियमों को काफी आसान बनाया है। इससे पासपोर्ट ऐप्लीकेशन्स में 50 फीसद का इजाफा हुआ है।

-सुषमा स्वराज ने बीते तीन सालों में विदेश में फंसे भारतीयों की सहायता करने को लेकर बताया कि मोदी सरकार के कार्यकाल के दौरान 80 हजार भारतीयों की मदद की गई है।

इसके अलावा सुषमा स्वराज ने और भी कई मुद्दों को लेकर नई जानकारी दी। इस हफ्ते कजाकिस्तान में बहुपक्षीय वार्ता होनी है जिसमें भारत और पाकिस्तान दोनों हिस्सा लेंगे। उन्होंने बताया इस दौरान पीएम नरेंद्र मोदी और नवाज शरीफ के बीच कोई वार्ता नहीं होगी। स्वराज ने कहा- "भारत पाकिस्तान के साथ अच्छे संबंध कायम करना चाहता है लेकिन आतंकवाद और बातचीत साथ-साथ नहीं चल सकते है। पाकिस्तान पर भारत की नीति कोई ढुलमुल रवैया नहीं अपनाएगी। " पेरिस समझौते को लेकर उन्होंने बताया कि भारत ने अपनी संस्कृति को ध्यान में रखते हुए पेरिस समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। भारत ने हमेशा ही प्रकृति का सम्मान किया है और उसे पूजा है। ऐसे में जो यह कह रहे हैं कि भारत ने दबाव में समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं वह गलत हैं।